

खबर संक्षेप

कलेक्टर ने 14 पीठासीन अधिकारियों के विरुद्ध अर्थदण्ड किया अधिरोपित



शहडोल। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट पार्थ जायसवाल ने मध्यप्रदेश लोक

सेवाओं के प्रदाय की गारंटी अधिनियम 2010 की धारा 5 (1) (2) के तहत सेवाओं के आवेदनों को बिना किसी पर्याप्त तथा युक्तियुक्त कारण से सेवा प्रदान करने में विलंब होने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध 9500 रुपये का अर्थदण्ड अधिरोपित किया है। कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने प्रमाण पत्र व प्रदाय करने हेतु नगरपालिका अधिकारी धनपुरी अमित तिवारी, भूमि का सीमांकन संबंधित प्रकरण पर नायब तहसीलदार सोहागपुर श्यामलाल मोहरे, जन्म के 1 वर्ष के पश्चात पंजीयन के लिए अनुमति संबंधित हेतु दीपक पटेल तहसीलदार सोहागपुर अविनाशित नामांतरण नहीं करने संबंधित हेतु नायब तहसीलदार जयसिंहनगर शशि द्विवेदी, मृत्यु प्रमाण पत्र संबंधित हेतु गाम पंचायत कुबरा के सचिव रामनरित साहू, गाम पंचायत जैतपुर के सचिव प्रमोदय बैगा, संग्राम सिंह गाम पंचायत तेड़डोल, गाम पंचायत धमनीकला के सचिव अरुण मिश्रा, गाम पंचायत मैरटोला के सचिव लक्ष्मण कोल, विवाह के पंजीयन संबंधित हेतु गाम पंचायत कैरहा अजय सिंह, रामकिशोर पटेल सचिव गाम पंचायत आखेटपुर पर जन्म प्रमाणपत्र समय पर नहीं उपलब्ध कराने पर, अनुज्ञापित का नवीनीकरण करने संबंधित सहायक संचालक उद्यानिकी झनक सिंह के विरुद्ध 500-500 रुपये का अर्थदण्ड अधिरोपित किया है।इसी प्रकार मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने संबंधित गाम पंचायत गोपालपुर के सचिव के विरुद्ध 1500 रुपये, जन्म प्रमाण पत्र प्रदाय न करने पर नगरपालिका अधिकारी शहडोल निशांत सिंह के विरुद्ध 2000 रुपये का अर्थदण्ड अधिरोपित किया। जारी आदेश में कहा गया है कि अधिरोपित अर्थदण्ड की राशि को संबंधित अधिकारी तीन दिवस के अंदर जमा कराने के लिए कहा गया है।

अमाविष ने शहडोल में विशाल तिरंगा यात्रा निकाली



शहडोल। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद शहडोल नगर द्वारा 15 अगस्त के अवसर पर 80वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। तिरंगा यात्रा में शहडोल नगर के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के 1000 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। छात्रों में तिरंगा और भारत माता के जयघोष के साथ निकली यात्रा ने नगर में देशभक्ति का वातावरण निर्मित हुआ। तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं परिषद कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला संगठन मंत्री कुणाल निखाड़े, विभाग संयोजक अखिलेश सिंह, विभाग छात्रा प्रमुख अंजली पांडेय, जिला संयोजक अमन त्रिपाठी, जिला छात्रा प्रमुख निधि पांडेय, आकाश मिश्रा, अर्पित मिश्रा, अमन तिवारी, गोकुल पटेल, विक्रान्त शर्मा, साक्षी सिंह, रोशनी पांडे, श्रेया सिंह, अनुराधा, प्रतीक्षा एवं तुलसी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, प्राध्यापक, सामाजिक बंधु एवं परिषद कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कर्मचारी संघ द्वारा सफल रक्तदान शिविर आयोजित



शहडोल। मरीजों के हित, मानव सेवा तथा विश्व आदिवासी दिवस एवं स्वतंत्रता दिवस के अवसर को समर्पित करते हुए मेडिकल एंड हेल्थ नर्सिंग एसोसिएशन एवं मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ, शहडोल के संयुक्त तत्वावधान में बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालय, शहडोल के ब्लड सेंटर में स्वेच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के अधिकारियों, चिकित्सकों, नर्सिंग अधिकारियों, पैरामेडिकल एवं अन्य कर्मचारियों के साथ-साथ बाहर से आए सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया।

पति ने कुल्हाड़ी से वार कर पत्नी को उतारा मौत के घाट, आरोपी गिरफ्तार



शहडोल। जिले के बुढ़ार थाना अंतर्गत सरईकांपा गांव में पति-पत्नी के पवित्र रिश्ते को शर्मसार कर देने वाला सनसनीखेज मामला सामने आया है। मोबाइल पर किसी से बात करने के शक में एक सनकी पति ने अपनी ही पत्नी पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गर्दन पर लगे घातक वार के कारण महिला ने मौके पर ही तड़प-तड़पकर दम तोड़ दिया।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सरईकांपा निवासी सुनील बैगा की अपनी पत्नी काजल बैगा के चरित्र पर संदेह था। सुनील को पत्नी का मोबाइल पर किसी से बात करना सख्त नापसंद था, जिसे लेकर आए दिन दोनों के बीच कहासुनी होती रहती थी। घटना के दिन भी इसी बात को लेकर दोनों के बीच तीखी बहस हुई। गुस्से में आपा जो चुके सुनील ने घर में रखी धारदार कुल्हाड़ी उठा ली और काजल की गर्दन पर हमला कर दिया। वार इतना भीषण था कि काजल लद्दलुहन होकर वहीं गिर पड़ी। हैवानियत की हद तो तब हो गई जब पत्नी खून से लथपथ होकर तड़पती रही और पति पास खड़े होकर तमाशा देखात रहा। अत्यधिक खून बह

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने पत्र लिखकर बुल्डोजर चलाने की सिफारिश की

शहडोल। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 43 पर स्थित पकरिया-जैतपुर तिराहे पर कानून-कायदों को ताक पर रखकर किए गए अवैध निर्माण को लेकर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (भा.रा.रा.प्रा.) ने सख्त रुख अपनाया है। शासकीय भूमि और सड़क मार्ग के अधिकार क्षेत्र पर कब्जा करके बनाए गए दो मंजिला व्यावसायिक भवन को गिराने के लिए प्राधिकरण के परियोजना निदेशक ने उप-विभागीय अधिकारी (अनुविभागीय अधिकारी), बुढ़ार को पत्र जारी किया है। पत्र में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यह अवैध कब्जा न केवल यातायात संचालन में बाधा डाल रहा है, बल्कि भविष्य में किसी बड़ी सड़क दुर्घटना और जनहानि का मुख्य कारण बन सकता है।

दूसरी बार थमाया गया बेदखली का पत्र

अतिक्रमणकारियों की बेखौफी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वे शासकीय चेतावनियों को भी ठेंगा दिखा रहे हैं। प्राधिकरण द्वारा इस अवैध निर्माण को तत्काल हटाने के लिए



भवन स्वामी सुंदर साहू एवं शुभम साहू को 11 जुलाई 2026 को पहला औपचारिक नोटिस भेजा गया था, लेकिन दबंगई दिखाते हुए भवन स्वामियों ने नोटिस लेने से साफ इंकार कर दिया, इसके बाद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों ने कड़ा रुख अपनाते हुए 14 जुलाई 2026 को पुनः बेदखली का नोटिस थमाया, जिसे इस बार भवन

स्वामी को विधिवत प्राप्त कराया गया। बावजूद इसके, स्थल से अवैध निर्माण हटाने की कोई मंशा नजर नहीं आ रही है।

बुढ़ार उप-विभागीय प्रशासन की चुप्पी पर उठ रहे सवाल

हरिभूमि के माध्यम से मामला उजागर होने और

समाचार पत्र की कटिंग का संज्ञान लेते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के परियोजना निदेशक आनंद प्रसाद ने मामले में हस्तक्षेप किया है। उन्होंने बुढ़ार उप-विभागीय अधिकारी को पत्र प्रेषित कर अविलंब दंडात्मक व अनुशासनात्मक वैधानिक कार्यवाही करने की मांग की है। पत्र की प्रतियां कलेक्टर शहडोल एवं क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल को भी आवश्यक कार्यवाही हेतु भेजी गई हैं। अब सबसे बड़ा सवाल स्थानीय बुढ़ार प्रशासन की कार्यशैली पर खड़ा हो रहा है। जब केंद्रीय एजेंसी ने स्पष्ट रूप से लिख दिया है कि यह ढांचा सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है और हादसों को न्यूता दे रहा है, तो फिर स्थानीय अमला बुल्डोजर चलाने में देरी क्यों कर रहा है।

राजमार्ग की सीमा में घुसा अवैध निर्माण

प्राधिकरण द्वारा जारी सरकारी पत्र (4257) के अनुसार शहडोल-अनूपपुर मार्ग पर तैनात सलाहकार संस्था ने जब स्थल का निरीक्षण किया, तो चौंकाने वाली सच्चाई सामने आई। मार्ग के 159+400 किलोमीटर पर स्थित पकरिया में एक व्यावसायिक पक्का निर्माण राष्ट्रीय राजमार्ग की कानूनी सीमा के भीतर पाया गया। उल्लेखनीय

है कि इस राष्ट्रीय राजमार्ग का कुल मार्ग अधिकार (मार्ग सीमा) 45 मीटर तय है। इसका सीधा अर्थ यह है कि सड़क के मध्य बिंदु से दोनों तरफ 22.50-22.50 मीटर तक की भूमि पूर्णतः राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की होती है, जिस पर किसी भी प्रकार का निजी या व्यावसायिक निर्माण पूरी तरह प्रतिबंधित है। इसके बावजूद भू-माफिया और कब्जाधारियों ने खुलेआम सीमा का उल्लंघन करते हुए सड़क पर कब्जा कर दो मंजिला इमारत खड़ी कर दी।

दुर्घटना का केंद्र बना पकरिया चौराहा

पकरिया-जैतपुर चौराहा वैसे ही अत्यधिक यातायात के दबाव वाला संवेदनशील मोड़ है। चौराहे के ठीक मुहाने पर बने इस अवैध दो मंजिला भवन के कारण चालकों को मोड़ पर सामने से आने वाले वाहन दिखाई नहीं देते। यदि स्थानीय अनुविभागीय प्रशासन ने समय रहते इस अवैध कब्जे पर बुल्डोजर चलाकर मार्ग को मुक्त नहीं कराया, तो यहां कभी भी कोई भीषण सड़क हादसा घटित हो सकता है। अब देखना यह है कि प्रशासन कब नींद से जागता है और शासकीय भूमि पर बने इस अवैध ढांचे को ध्वस्त करता है।

स्वैच्छिकता पर्व के तहत ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान में हुआ पौधारोपण

जयसिंहनगर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग, म.प्र. शासन के तत्वावधान में आयोजित स्वैच्छिकता पर्व के अंतर्गत 4 जुलाई से 12 अगस्त 2026 तक चलाए जा रहे विभिन्न जनभागीदारी कार्यक्रमों की कड़ी में रविवार 9 अगस्त को नवांकुर संस्था स्वामी विवेकानंद सेवा समिति बांसा, सेक्टर-05 टिहकी, विकासखंड जयसिंहनगर द्वारा ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संस्था कार्यालय ग्राम बांसा में विभिन्न प्रकार के फलदार 101 पेड़ मां के नाम रोपित किया गया। कार्यक्रम म.प्र. जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पांडेय के निर्देशन एवं विकासखंड समन्वयक ऋतविकदास मिश्रा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष राजेश द्विवेदी की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान नवांकुर सखियों को विभिन्न



प्रजातियों के पौधे वितरित किए गए। साथ ही पौधों के उचित रख-रखाव, नियमित सिंचाई एवं सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में आवश्यक जानकारी देते हुए पौधों को वृक्ष बनने तक उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर कटहल, अमरूद, जामुन, सीताफल, नींबू एवं आंवला सहित विभिन्न फलदार पौधों का रोपण किया गया। समिति

के सदस्यों एवं नवांकुर सखियों ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण में सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष राजेश द्विवेदी ने कहा कि ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान केवल पौधा लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों का संरक्षण एवं संवर्धन करना भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण

के साथ-साथ उसकी नियमित देखभाल का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर समिति के सचिव छोटेलाल मिश्रा, उपाध्यक्ष दशरथ बैगा, सदस्य रामदास साहू, अंजनी रैदास एवं नवांकुर सखी गायत्री द्विवेदी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने पर्यावरण संरक्षण एवं अधिक से अधिक पौधे लगाने का संकल्प लिया।

मरीजों की सांसें बचाने वाली एंबुलेंस बनी ‘स्कूल वैन’ बच्चों को ढोते वीडियो वायरल

शहडोल। संभागीय मुख्यालय एक बार फिर अपनी अजीबोगरीब कार्यप्रणाली को लेकर सुर्खियों में है। इस बार जो मामला सामने आया है, उसने जिले की स्वास्थ्य सेवाओं और एंबुलेंस प्रबंधन की पोल खोलकर रख दी है। जिस एंबुलेंस का प्राथमिक उद्देश्य सड़क हादसों और गंभीर बीमारियों के दौरान मरीजों की जान बचाना है, वही एंबुलेंस शहडोल की सड़कों पर स्कूली बच्चों को ढोने वाली स्कूल वैन के रूप में दौड़ती नजर आई।

घटना शहर के पोश इलाके सर्किट हाउस के पास की है, जहां एक निजी स्कूल के बच्चों को एंबुलेंस में भरकर स्कूल पहुंचाया जा रहा था। एंबुलेंस की खिड़कियों से जब कई स्कूली बच्चों के चेहरे बाहर झांकते दिखे, तो वहां से गुजर रहे एक सजग नागरिक ने इस हैरान कर देने वाले नजारे को अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया। देखते ही देखते यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया है।

जिले में समय पर एंबुलेंस न मिलने के कारण मरीजों को खाट या निजी वाहनों पर अस्पताल पहुंचाने की खबरें आए दिन सामने आती रहती हैं। ऐसे में जब गंभीर मरीज एंबुलेंस के अभाव में जिंदगी और मौत की जग लड़ रहे हों, तब आपातकालीन वाहन का इस्तेमाल बच्चों को लाने-ले जाने के लिए होना किसी बड़े गैर-जिम्मेदाराना रवैये से कम नहीं है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि इसी दौरान किसी आपात स्थिति में एंबुलेंस की जरूरत पड़ जाती, तो इसकी भरपाई कैसे होती?वीडियो के सामने आने के बाद अब कई सवाल खड़े हो गये हैं, एंबुलेंस किस निजी अस्पताल, एनजीओ या सरकारी संस्था की है? किस अधिकारी या संचालक की अनुमति से मरीजों के वाहन को स्कूल वैन में बदला गया, क्या इस तरह के गैर-चिकित्सकीय व्यावसायिक उपयोग पर परिवहन विभाग और स्वास्थ्य



विभाग कोई एक्शन लेगा? फिलहाल वायरल वीडियो ने स्वास्थ्य विभाग की मौनतिरंग व्यवस्था पर गंभीर सवालिया निशान लगा दिए हैं। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन इस पूरे मामले पर जांच बैठाकर दोषियों पर शिकंजा कसता है या फिर यह मामला भी ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा।

जाने के कारण काजल ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की भनक लगते ही ग्रामीणों में हड़कंप मच गया और तत्काल इसकी सूचना बुढ़ार पुलिस को दी गई। पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का मुआयना किया और शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। बुढ़ार पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्यारे पति सुनील बैगा को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं के तहत हत्या का मामला दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस खौफनाक वारदात से पूरे इलाके में सनसनी फैली हुई है।

इनका कहना है...– आरोपी पति को पत्नी के मोबाइल पर किसी से बातचीत करने का संदेह था, इसी संदेह के चलते उसने कुल्हाड़ी से हमला कर पत्नी की हत्या कर दी। आरोपी को हिरास्त में लेकर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

विनय सिंह गहरवार थाना प्रभारी, बुढ़ार

स्वर्ग संक्षेप

पचखुरा में 26 वर्षीय

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कोतमा। थाना क्षेत्र अन्तर्गत गण्डा पश्चिमी में मंगलवार दो शाम एक 26 वर्षीय युवक द्वारा घर में फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। निजामी के अनुसार पचवसुल जवानां संजु पिता गोविल केरुट, उम्र 26 वर्ष, मंगलवार को घर में अकेला था। बताया जाता है कि उसके परिजन शव पोरा लगाने के लिए खेत गए हुन। इसी दौरान युवक ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। देश शाम जब परिजन खेत से वापस घर पहुंचे तो देखां को फंदे पर लटका हुआ अंसा। घटना की जानकारी तत्काल कोतमा पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौक पर पहुंची और पंनामा कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोतामा भेजा। बुधवार को पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मंग कायम कर घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। युवक ने यह कमल निज परिस्थितियों में उठया, फंदाल इसका पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले को विवेचना में जुटी हुई है।

धुलधुली एवं ददरीटोला के
शाला भवन के लिए 53.50
लाख रुपये की स्वीकृति



उम्मीरा। जिले में घुलघुली कोलमाइंग में वर्गीकृत घुलघुली एव दबरीटोला में मनीष शाला भवन के लिए एससीएसएल द्वारा 53.50 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। यह कार्य सीएसएअर मद्र से कराया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती राखी सहयाय तथा एससीएसएल जोहिला के एजीएए के अध्यक्ष आज भवन निर्माण कार्य के लिए एसओयू पर सदनति हुई। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर द्वारा भवन निर्माण की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की जा चुकी है। एजेंसी द्वारा शीघ्र ही कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा।

बहुवर्णी रेशनी से

जगमगाएंगे शासकीय भवन,
फाइनल रिहर्सल आज

अमर्या। स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय पर्व को पूरे जिले में अमृतपूर्व उत्साह, गरिमा और राष्ट्रीयत्व के माहौल के साथ मनाया जाएगा। मुख्य कार्यक्रम स्टैडियम ग्राउंड में प्रातः 9 बजे से शुरू होगा। समारोह में स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी। इनके जरिए भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, विविधता में एकता, स्वतंत्रता संग्राम की वीर गाथाओं तथा शासन की जनकमोर्चाजीवनी योजनाओं और कार्यक्रमों का पूर्ण प्रदर्शन किया जाएगा। आजादी के पर्व प्रातः 14 और 15 अगस्त की रात सभी प्रमुख कार्यालयों, पेटिशनरिज, प्रशासनिक और राष्ट्रीय महत्व के भवनों में बहुदूरी रोशनी की जाएगी। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या से ही यह मनन बहुदूरी रोशनी से जगमगाएगा। स्वतंत्रता दिवस समारोह की पूरी तैयारी और व्यवस्था को परखने के लिए स्टैडियम ग्राउंड में 13 अगस्त को प्रातः 9 बजे से मिनट-टू-मिनट फुल डेज फाइनल रिहर्सल का आयोजन किया जाएगा। फाइनल रिहर्सल के दौरान मुख्य समारोह की रूपरेखा के अनुसार ही ध्वजारोहण, परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा। अधिकतर श्रीमती राखी कन्याओं ने सभी अतिथियों और कर्मचारियों को रिहर्सल के दौरान अपनी जिम्मेदारी को अंतिम अवस्था रूप से उपरिष्ठ रहने के निदेश दिए हैं।

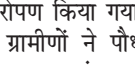
आज हर घर तिरंगा

जनजागरुकता दिवस, घर-घर संपर्क के होंगे कार्यक्रम
उमरिया । भारत सरकार के निर्देशानुसार 9 अगस्त से 17 अगस्त तक जिले में हर घर तिरंगा अभियान-2026 का आयोजन किया जाएगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता एवं स्वतंत्रता दिवस के प्रति उत्साह एवं जनभागीदारी को बढ़ावा देना है।

नवांकुर सखी हरियाली यात्रा के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

कात्मा। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के नवांकरु सखी जी. एस. हितकारिणी समिति, कोतामा द्वारा जनपद पंचायत कोतामा अंतर्गत ग्राम बैठाटोला में नवांकरु सखी हरियाली यात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के संस्थापना के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली संवर्धन का संदेश जन-जन तक पहुंचाना रहा। हरियाली अभावस्था के अवसर पर आयोजित इस यात्रा में नवांकरु सखी एवं ग्रामीण महिलाओं ने उत्साहपूर्वक संस्थापना की। सैचिक्का के आधार पर

महिलाओं द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए यात्रा काली मंदिर से सामुदायिक भवन तक निकाली गई। यात्रा के दौरान काली मंदिर प्रांगण में आम एवं नीम के पौधे



का रोपण किया गया। उपस्थित महिलाओं एवं ग्रामीणों ने पौधों की देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प लेते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा पर्यावरण को

मुद्रांकित रखने का संकल्प दिया। कार्यक्रम में
समरपूर श्रीमती कंचन सिंह, विकासखंड
समन्वयक सरमिन साकेत, नवाकूर संस्था
के सचिव ओंकार सिंह, प्रस्फुटन समिति
अध्यक्ष श्रीमती निर्मला सिंह सहित बैठाटोला
की नवाकूर सखी एवं ग्रामीणजन उपस्थित
थे। कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को
पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए यह संदेश
दे दिया गया कि स्वैच्छिक सहभागिता और
सामूहिक प्रयासों से गांवों में हरियाली एवं
पर्यावरण संरक्षण को मजबूत किया जा
सकता है।

है कि रसूखद्वारा और पूजापातियों को जमीनों से जुड़े नामांतरण के मामलों का तो तुरंत निपटारा हो जाता है, जबकि आम व गरीब फरियादियों को नामांतरण कराने में भारी मशक्कत करनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब भी कोई साधारण किसान या आम गरीब अपने वाजिब काम के लिए तहसील दफ्तर के चक्कर काटता है, तो उसे नियमों और तकनीकी कमियों का हवाला देकर लौटा दिया जाता है।

रिकॉर्ड गायब होने और राजस्व प्रक्रियाओं पर उठे सवाल

क्षेत्र में इस बात को लेकर भी आक्रोश है कि कुछ समय पूर्व तहसील परिसर में पुराने दस्तावेजों और रिकार्डों के क्षतिग्रस्त होने या जलने की घटनाएं सामने आई थीं। ग्रामीणों का कहना है कि पुराने रिकार्डों के अभाव में वे यह जानंचने में असमर्थ हैं कि उनकी जमीनों का विवरण ऑनलाइन पोर्टल पर सही तरीके से दर्ज हुआ है या नहीं। रिकार्ड दुरुस्त न होने के कारण आम भूमि स्वामियों को

तिरंगा रैली में गुंजा देशभक्ति का संदेश

हेलमेट पहन कर्मचारियों ने दिया सड़क सुरक्षा का संदेश



दिया सड़क सुरक्षा का संदेश

इसमें शामिल सभी कर्मचारियों ने हेलमेट पहनकर भाग लिया। इसके माध्यम से सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन का संदेश भी दिया गया। रैली के दौरान लोगों को दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का

अनिवार्य रूप से उपयोग करने और सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। स्नेहा टीवीएस के संचालक रावेन्द्र शर्मा ने कहा कि तिरंग केवल देश की आन-बान-शान का प्रतीक ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक को अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने की प्रेरणा भी देता है। रैली के माध्यम से देशभक्ति के साथ सड़क सुरक्षा का संदेश देना भी उद्देश्य रहा।

अमरकंटक में तैयार हो रही औषधीय पौधों की नर्सरी
किसानों को मिलेगी औषधीय खेती की नई दिशा

अमरकटक। पवित्र नगरी अमरकटक में पर्वतारोहण, आधुनिक परंपरा के संवर्धन और ग्रामीण-आसक्तिप्रभा की दिशा में श्री नर्मदे हर सेवा न्यास द्वाारा अनुत्ती पहल की जा रही है। न्यास की ओर से ओषधीय पाँचों की नर्मरी तैयार की जा रही है, जहाँ विभिन्न प्रजातियों के पाँचों को तैयार कर स्थानीय किसानों और प्रजातियों को औषधीय खेती के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। न्यास के अध्यक्ष रामलाल रौतले के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में नर्मरी का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र के किसानों को पाँचों खेती के साथ औषधीय पाँचों की खेती से जोड़ना, उन्हें गुणवत्तायुक्त पाँचों उपलब्ध कराना तथा ग्रामीण परिवारों के लिए अतिरिक्त आय और स्वरोजगार के अवसर पैदा करना है। न्यास की नर्मरी में विभिन्न औषधीय एवं उपयोगी पाँचों के बीजों का रोपण कर पाँच तैयार की जा रही है। इनमें आम्रवाला, हरी, बेल, अश्वगंधा, सिंदूर, तुलसी,



बढ़ावा मिलता है तो आने वाले समय में वि. पा. परंपरिक फसलों के साथ आय का अतिरिक्त मिल सकता है। औषधीय पौधों की नर्सरी तैयार यह पहल पर्यावरण संरक्षण, परंपरिक ज्ञान और विकास को एक साथ जोड़ रही है। आने वाले यह प्रयास अमरकंटक क्षेत्र में औषधीय खे पज्चाय देने के साथ स्थानीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

विश्व हाथी दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम संपन्न



उमरिया। बांधवगढ़ टाईगर रिजर्व में विश्व हाथी दिवस के अवसर पर लगातार तीन दिनों से चल रहे कार्यक्रमों के आयोजन में तृतीय दिवस विश्व हाथी दिवस 12 अगस्त को विभिन्न कार्यक्रम तथा चित्रकला प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

क्षेत्र संचालक अनुभव सहाय के नेतृत्व में बांधवगढ़ डाइग रिजर्व के इको सेंटर, ताला में हाथी संरक्षण एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र छात्राओं तथा समस्त पक्षीय व सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करते हुए



की गई तथा हाथी संरक्षण पर आधारित वृत्तचित्र का प्रदर्शन किया गया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के सभी १ परिक्षेत्रों में आयोजित पेंटिंग, निबंध एवं रंगोली प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। बच्चों को हाथियों के संरक्षण एवं उनके प्रति संवेदनशीलता से जोड़ने के उद्देश्य से क्षेत्र संचालक द्वारा बच्चों के साथ विशेष सहभागिता की गई। इस दौरान उन्होंने बच्चों के साथ हाथी भैया, 'थैक यू' कहानी साझा की, जिसके माध्यम से हाथियों के प्रति प्रेम, संवेदनशीलता एवं उनके संरक्षण का संदेश सरल एवं रोचक ढंग से दिया गया, साथ ही यह समझाया गया कि हाथियों का झुंड अन्य शाकाहारी वन्यजीवों की कैसे मदद करता है। बच्चों ने भी इस संवादात्मक गतिविधि में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में बांधवगढ़ के सहायक संचालकों, परिक्षेत्र अधिकारियों, ईडीसी एवं स्थानीय समितियों के प्रतिनिधियों, वनकर्मीयों, गाइड्स, महावतों, गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों, विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्थानीय समुदाय के सदस्यों की सक्रिय सहभागिता रही। प्रतिभागियों द्वारा हाथी संरक्षण, वन्यजीव संरक्षण एवं मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व के महत्व पर अपने विचार साझा किए गए।

नगर परिषद इमरकछार में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

[illegible]

खबर संक्षेप



शैक्षणिक संस्थान को घोषित किया गया तंबाकू मुक्त

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम एवं आयुष्मान उमंग स्कूल हेतु एंड वेलनेस कार्यक्रम के तहत शिक्षण संस्थानों को कोटपा अधिनियम 2003, के तहत शैक्षणिक संस्थाओं को तंबाकू मुक्त बनाए जाने के निर्देश दिए हैं। इस कार्य के लिए नोडल अधिकारी डॉ संदीप सिंह एवं जिला शिक्षा अधिकारी भूपेन्द्र वरकडे को बनाया गया है। प्राचार्य शासकीय सांझीपनि विद्यालय करकेली लक्ष्मीकांत महोदिया ने बताया कि मृत्यांकन मापदंड में 93 अंक अर्जित कर संस्था को तंबाकू मुक्त संस्थान घोषित किया गया है। जिला चिकित्सालय में पदस्थ किशोर स्वराज्य परामर्शदाता पूजा पांडे द्वारा उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं स्टाफ को तंबाकू मुक्त शपथ दिलागई तथा संगठित आहार एवं नशे के दुष्प्रभाव के संबंध में छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया।

14 अगस्त को इंदवार में शिविर का आयोजन

उमरिया। जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 7 अगस्त से 8 अगस्त 2027 तक मुख्यमंत्री जन विद्यालय अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान प्रत्येक सप्ताह के पंचम दिवस अर्थात बुधवार को शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने निर्देश दिए हैं कि अधिकारी शिविर में शामिल होने से पूर्व ग्रामों एवं शहरी बाड़ी में पहुंचकर अपने क्षेत्रीय कार्यालयों, छात्रावास, विद्यालय, अस्पताल, उचित मूल्य दुकान एवं अन्य संस्थाओं का निरीक्षण करेंगे तथा तदुपरांत बेहतर 3 बजे से रात 5 बजे तक आयोजित जन सेवादयल में उपस्थित होकर अपने अपने विभाग के लिए गए निरीक्षण की विस्तृत जानकारी से अवगत करावेंगे।

पाली में कुपोषण के खिलाफ नयी पहल, आंगनबाड़ी केंद्रों में माताओं के साथ अतिथि भोज की शुरुआत



उमरिया। महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी मोनिका सिनहा पाली द्वारा पाली ब्लॉक के आंगनबाड़ी केंद्रों में कुपोषण कम करने और जनभागीदारी बढ़ाने के लिए एक अनूठी पहल शुरू की गई है। इस पहल के तहत पाली क्षेत्र के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में अतिथि भोज का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम की खास बात यह है कि इसमें बच्चों की माताओं को सीधे तौर पर जोड़ा जा रहा है। परियोजना के अंतर्गत हर आंगनबाड़ी केंद्र में मातृ सहयोगिनी समिति बनाई गई है। इस समिति में बच्चों की माताएं भी शामिल हैं। तिथि भोज के दिन समिति की महिलाएं मिलकर पोषण युक्त मेन्यू के अनुसार भोजन तैयार कराती हैं। भोजन तैयार होने के बाद पहले इसे मातृ सहयोगिनी समिति की महिलाएं स्वयं चखती हैं। गुणवत्ता सुनिश्चित होने के बाद ही उनके माध्यम से बच्चों को टीका कराकर भोजन कराया जाता है। इस पहल का उद्देश्य सिर्फ पोषण देना ही नहीं, बल्कि अभिभावकों को आंगनबाड़ी केंद्रों से जोड़ना भी है। परियोजना अधिकारी ने बताया कि जब माताएं स्वयं भोजन बनवाकर बच्चों को खिलाती हैं, तो उनमें आंगनबाड़ी के प्रति विश्वास बढ़ता है। इससे वे केंद्र की अन्य सेवाओं का लाभ भी लेने लगी हैं। इसी कड़ी में वार्ड क्रमांक 09 के आंगनबाड़ी केंद्र में आयोजित तिथि भोज कार्यक्रम में मातृ सहयोगिनी समिति की सक्रिय भागीदारी देखी गई। कार्यक्रम में समिति सदस्य प्रियंका प्रजापति, ममता प्रजापति, मीनू प्रजापति, सजवाती यादव, गंगोत्री माको एवं नैना प्रजापति उपस्थित रहीं। उनके साथ स्थानीय आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती शशि साहू, सहायिका उर्मिला, क्षेत्रीय पर्यवेक्षक गायत्री सिंह ठाकुर और परियोजना अधिकारी पाली भी मौजूद। सभी ने मिलकर बच्चों को पोषक भोजन परोसा और कुपोषण मुक्त पाली का संकल्प लिया। महिला बाल विकास विभाग की इस पहल से जिले में आंगनबाड़ी केंद्रों की छवि और उपयोगिता दोनों बढ़ने की उम्मीद है।

छात्राओं की सुरक्षा के लिए बस संचालन की मांग



कलेक्टर ने मामले पर उचित कार्रवाई का दिया आश्वासन

उमरिया। शासकीय कन्या विद्यालय, बिरसिंहपुर पाली में अध्ययनरत छात्राओं की सुरक्षा, सुविधा एवं सुरक्षित आवागमन को लेकर युवा टीम उमरिया ने एक महत्वपूर्ण जनहित की पहल की है। युवा टीम उमरिया के हिमांशु तिवारी ने जिला कलेक्टर को पत्र सौंपकर विद्यालय की छात्राओं के लिए नियमित बस संचालन अथवा उपयुक्त परिवहन व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग की है। उन्होंने कलेक्टर को सौंपे पत्र में बताया कि शासकीय कन्या विद्यालय, बिरसिंहपुर पाली हावरे रोड में स्थित है तथा पाली नगर से लगभग 3 किलोमीटर की दूरी पर है। विद्यालय में अध्ययनरत अनेक छात्राओं को प्रतिदिन विद्यालय आने-जाने के लिए हाईवे मार्ग से आवागमन करना पड़ता है। इस मार्ग पर दिनभर भारी वाहनों, ट्रकों, यात्रा बसों एवं अन्य वाहनों की लगातार आवाजाही रहती है। ऐसे व्यस्त मार्ग पर छात्राओं का प्रतिदिन पैदल अथवा निजी साधनों से आवागमन करना सुरक्षा की दृष्टि से चिंता का विषय है। विशेष रूप से विद्यालय आने-जाने के समय सुरक्षित एवं नियमित परिवहन सुविधा का अभाव छात्राओं तथा उनके अभिभावकों के लिए परेशानी का कारण बनता है। हिमांशु तिवारी ने कहा कि बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करना भी प्रशासन एवं समाज की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। यदि विद्यालय के लिए नियमित बस सेवा उपलब्ध कराई जाती है, तो छात्राओं को सुरक्षित एवं सुविधाजनक परिवहन मिल सकेगा और अभिभावकों में भी अपनी बेटीयों की सुरक्षा को लेकर विश्वास बढ़ेगा। उन्होंने मांग की कि छात्राओं के हित को देखते हुए शासकीय कन्या विद्यालय, बिरसिंहपुर पाली के लिए नियमित बस संचालन की व्यवस्था की जाए। यदि तत्काल बस संचालन संभव न हो तो संबंधित विभाग के माध्यम से छात्राओं के लिए कोई अन्य सुरक्षित एवं उपयुक्त परिवहन व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए।

जाए। यदि तत्काल बस संचालन संभव न हो तो संबंधित विभाग के माध्यम से छात्राओं के लिए कोई अन्य सुरक्षित एवं उपयुक्त परिवहन व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए।

कलेक्टर ने दिया सकारात्मक आश्वासन

मांग पत्र प्राप्त करने के बाद कलेक्टर ने छात्राओं की सुरक्षा एवं सुविधा से जुड़े इस विषय को गंभीरता से लेते हुए उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। कलेक्टर ने संबंधित विषय पर आवश्यक स्तर पर विचार कर छात्राओं के हित में उचित व्यवस्था किए जाने की बात कही। युवा टीम उमरिया की इस पहल से छात्राओं एवं अभिभावकों में भी उम्मीद जगी है कि जल्द ही विद्यालय के लिए सुरक्षित परिवहन व्यवस्था उपलब्ध हो सकेगी। हिमांशु तिवारी ने कहा कि युवा टीम उमरिया आगे भी जनहित, छात्रहित एवं बालिका सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के साथ प्रशासन के समक्ष रखती रहेगी। उन्होंने कहा कि छात्राओं को सुरक्षित वातावरण एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। विद्यालय के लिए बस संचालन की यह मांग केवल परिवहन सुविधा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बालिका सुरक्षा, शिक्षा और छात्राओं के उच्चतर भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। जिला प्रशासन द्वारा इस दिशा में सकारात्मक पहल किए जाने से क्षेत्र की छात्राओं को बड़ी राहत मिल सकती है।

1000 फीट लंबे तिरंगे के साथ निकली भव्य तिरंगा यात्रा

देवलौंद के बाणसागर बांध पर देशभक्ति का उमड़ा जनसैलाब, गूँजे भारत माता के जयकारे



देवलौंद, 12 अगस्त। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता का संदेश देने के उद्देश्य से देवलौंद के बाणसागर बांध परिसर में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। लगभग 1000 फीट लंबे तिरंगे के साथ निकली इस यात्रा में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं, अभिभावकों, वरिष्ठ नागरिकों एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। तिरंगा यात्रा में सेंट्रल एकेडमी स्कूल मऊ एवं देवलौंद के विद्यार्थियों एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बड़े-चढ़कर भाग लिया।

विशाल तिरंगे के साथ निकली यात्रा के दौरान “भारत माता की जय”, “वंदे मातरम्”, “जयहिंद” तथा “हर घर तिरंगा—हर दिल तिरंगा” के नारों से बाणसागर बांध एवं आसपास का क्षेत्र राष्ट्रभक्ति से गुंज उठा। विद्यार्थियों ने अनुशासन एवं उत्साह के साथ यात्रा में सहभागिता कर देश की एकता और अखंडता का संदेश दिया।

अधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों की रही गरिमाययी उपस्थिति

कार्यक्रम में नगर परिषद खांड की अध्यक्ष श्रीमती सुशीला सिंह, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, खांड, बाणसागर बांध परियोजना के कार्यपालन यंत्री श्री एस.के. शर्मा सहित प्रशासनिक एवं विभागीय अधिकारियों की गरिमाययी उपस्थिति रही। वरिष्ठ जनों एवं गणमान्य नागरिकों में श्री अवधेश बाजपेयी, श्री के.पी. सिंह, श्री रामबहोर तिवारी, श्री शोषमणि तिवारी एवं श्रीकांत पाण्डेय श्री निपेन्द्र सिंह सहित अनेक नागरिक उपस्थित रहे। इसके अलावा अखिल भारतीय ब्राह्मण सेवा संस्थान के अध्यक्ष श्री संतोष उपाध्याय, श्री विकास तिवारी, श्री अमित तिवारी, श्री नीरज द्विवेदी, श्री प्रानेंद्र उपाध्याय, संगीता माथुर एवं श्री विजय मिश्रा सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

रवि मिश्रा के संयोजन में आयोजन सम्पूर्ण कार्यक्रम का सफल आयोजन सेंट्रल एकेडमी स्कूल के प्रबंध संचालक श्री रवि मिश्रा के संयोजन में संपन्न हुआ। श्री मिश्रा ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। इस यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवाओं में राष्ट्रप्रेम, अनुशासन, सामाजिक एकता और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले प्रशासन, पुलिस विभाग, जनप्रतिनिधियों, विद्यालयों के प्रबंधन, शिक्षक-शिक्षिकाओं, विद्यार्थियों, अभिभावकों, वरिष्ठ नागरिकों एवं क्षेत्रवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कठपुतली नृत्य ने मिटाई थकान, मनमोहक प्रस्तुति ने जीता दिल

लगभग 1000 फीट लंबे तिरंगे के साथ निकली भव्य तिरंगा यात्रा के समापन के बाद बच्चों के लिए कठपुतली नृत्य की विशेष एवं मनमोहक प्रस्तुति आयोजित की गई। यात्रा के दौरान उत्साहपूर्वक



शामिल रहे बच्चों ने कठपुतलियों के आकर्षक नृत्य को देखकर खूब आनंद लिया। रंग-बिरंगी कठपुतलियों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने बच्चों की थकान को पलभर में दूर कर दिया। बच्चे कठपुतली नृत्य देखकर मंत्रमुग्ध हो गए और तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। देशभक्ति से ओत-प्रोत तिरंगा यात्रा के बाद यह सांस्कृतिक प्रस्तुति बच्चों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रही और कार्यक्रम को मनोरंजन एवं उल्लास से भर दिया।

मीडिया प्रतिनिधियों ने किया व्यापक कवरेज

तिरंगा यात्रा के भव्य आयोजन को मीडिया प्रतिनिधियों ने भी व्यापक कवरेज प्रदान किया। कार्यक्रम में अशोक तिवारी, सिद्धार्थ अग्निहोत्री, श्रीनिवास मिश्रा, संजय शुक्ला, अरुण तिवारी, सागर सोनी, संजय सिंह एवं सतीश नामदेव मोहम्मद चांद सूर्यभान यादव सहित मीडिया से जुड़े प्रतिनिधि उपस्थित रहे। मीडिया प्रतिनिधियों ने

तिरंगा यात्रा के विभिन्न कार्यक्रमों एवं देशभक्ति से ओत-प्रोत गतिविधियों का कवरेज किया और आयोजन की भव्यता को समाचार माध्यमों के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाया। आयोजक श्री रवि मिश्रा ने सभी मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रएकता एवं देशभक्ति का दिया संदेश

कार्यक्रम में वक्ताओं ने स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानियों एवं देश की रक्षा में अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर जवानों को नमन करते हुए कहा कि देश की एकता, अखंडता और गौरव की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। तिरंगा यात्रा के माध्यम से विद्यार्थियों एवं नागरिकों ने राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति, अनुशासन और सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान एवं “भारत माता की जय”, “वंदे मातरम्” और “जय हिंद” के गगनभेदी जयघोष के साथ हुआ।

ब्यौहारी में निकाली गई तिरंगा यात्रा



ब्यौहारी। नगर परिषद के अंतर्गत 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर ब्यौहारी में निकाली गई तिरंगा यात्रा व्यवहारी विधायक शरद जुग लाल हुए शामिल। शहडोल जिले के ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्र भारतीय जनता पार्टी मंडल ब्यौहारी के अध्यक्ष विनय गुप्ता के नेतृत्व में मुख्य अतिथि ब्यौहारी क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक

शरद जुगलाल कोल, विशिष्ट अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष श्री कृष्ण राजन गुप्ता, के नेतृत्व में विशाल तिरंगा यात्रा रेलवे स्टेशन ब्यौहारी से प्रारंभ होकर ब्यौहारी नगर भ्रमण के दौरान भारत माता की जय वंदे मातरम, के जय घोष करते हुए देशभक्ति का संदेश दिया जिससे नगर देशभक्ति मय हो गया इस अवसर पर ब्यौहारी विधायक

शरद जुगलाल कोल ने क्षेत्र वासियों से अपील करते हुए कहा कि आगामी स्वतंत्रता दिवस को सभी क्षेत्र वासी अपने अपने घरों राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया जाए हर घर तिरंगा घर घर तिरंगा अभियान को सफल बनावे आज के इस तिरंगा यात्रा में प्रमुख रूप से नगर वासी भाजपा पदाधिकारी अधिकारी कर्मचारी सम्मिलित हुए।

हर घर तिरंगा के तहत नुककड़ नाटक एवं प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिले में 9 अगस्त से 17 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस उमरिया में नुककड़ नाटक एवं प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें महाविद्यालय के बी.ए. चतुर्थ वर्ष के छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भागीदारी की। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अमित कुमार निगम द्वारा की गई। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए ध्वज संहिता, देश के प्रति देशभक्ति की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का संचालन करते हुए ऋषिराज पुरवार, सहा. प्राध्यापक ने कहा कि हर घर तिरंगा का उद्देश्य विद्यार्थियों को देशभक्ति की भावना जागृत करना और तिरंगे से व्यक्तिगत जुड़ाव स्थापित करना है। हर घर तिरंगा प्रमारी महाविद्यालय के क्रीडाधिकारी जितेन्द्र कुमार ने आभार व्यक्त करते हुए समस्त छात्र-छात्राओं को स्वतंत्रता दिवस पर हर घर की छत पर तिरंगा लहराने का संदेश दिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रध्यापक डॉ. एस.के. वर्मा, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अरविंद शाह बरकडे, डॉ. रमेश प्रसाद कोल, डॉ. सौरभ पाण्डेय, डॉ. मनीष मिश्रा, डॉ. रश्मि राणी तिवारी सहित कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।



डीएलआरसी एवं डीएलसीसी की बैठक आज

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में जिला स्तरीय डीएलआरसी एवं जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक 13 अगस्त को अपराह्न 4 बजे से आयोजित की गई है। अग्रणी जिला प्रबंधक गौतम सिंह ने संबंधित विभागीय अधिकारियों एवं बैंकर्स से बैठक में उपस्थिति का अनुरोध किया है।

चरित्र शंका में कुल्हाड़ी मारकर पत्नी की हत्या बुढ़ार पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार



बुढ़ार। थाना क्षेत्र के ग्राम सरईकापा में मंगलवार को शाम चरित्र पर संदेह के चलते एक पति ने अपनी ही पत्नी की कुल्हाड़ी से काटकर निर्मम हत्या कर दी। इस सनसनीखेज वारदात से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची बुढ़ार थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति को हिरासत में ले लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगलवार शाम लगभग 5:30 बजे आरोपी सुनील उर्फ सोनू बैठा

(25 वर्ष), निवासी सरईकापा का अपनी पत्नी काजल बैठा (22 वर्ष) के साथ चरित्र पर शंका को लेकर विवाद हुआ था। बहस बढ़ने पर आरोपी सुनील पत्नी को घर के पीछे बाड़ी में ले गया और उस पर कुल्हाड़ी से गर्दन पर जानलेवा वार कर दिया। अत्यधिक खून बहने और गंभीर चोट लगने के कारण महिला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही बुढ़ार पुलिस टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर



शव को कब्जे में लिया और पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। पुलिस ने आरोपी सुनील बैठा को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। वैधानिक कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है, जहाँ से आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है। मौके पर नगर निरीक्षक विनय सिंह गहरवार एवं उनकी टीम के द्वारा आरोपी को अंजाम देने के बाद तत्काल पकड़ लिया है।

खबर संक्षेप

सर्पदंश के बाद अकेली महिला ने 70 किलोमीटर दूर पहुंचकर कराया उपचार



अनूपपुर। जहरीले सर्प के काटने के बाद परिवार का कोई सदस्य साथ नहीं होने के बावजूद 29 वर्षीय महिला ने हिम्मत दिखाते हुए करीब 70 किलोमीटर दूर जिला चिकित्सालय अनूपपुर पहुंचकर अपना उपचार कराया। अस्पताल में भर्ती महिला के परिजनों की जानकारी मिलने पर सर्प प्रहरी एवं सामाजिक कार्यकर्ता शशिधर अगवाल ने सक्रियता दिखाते हुए खोजबीन कर परिजनों को सूचना दी और महिला को उनके परिवार से मिलवाया। जानकारी के अनुसार अमरकंटक थाना क्षेत्र के ग्राम दोनिया निवासी 29 वर्षीय सरस्वती पनिका, पिता स्व. अमोल दास पनिका, बुधवार सुबह घर के पास सोकर उठने के बाद दिशा-मैदान के लिए जा रही थीं। इसी दौरान जहरीले सर्प ने उनके पैर में काट लिया। सर्पदंश के बाद उनकी हालत बिगड़ने लगी, लेकिन उस समय परिवार का कोई सदस्य उनके साथ नहीं था। महिला के माता-पिता वृद्ध एवं दिव्यांग हैं, जबकि पति बाहर होने के कारण तत्काल उनके साथ अस्पताल जाने वाला कोई अन्य व्यक्ति उपलब्ध नहीं था। ऐसी स्थिति में सरस्वती ने साहस दिखाया और दोनिया गांव से अनूपपुर आ रहे एक पिकअप वाहन में बैठकर अकेले जिला चिकित्सालय अनूपपुर पहुंची। अस्पताल पहुंचने के बाद उन्होंने स्वयं इयुटी डॉक्टर से संपर्क किया और उपचार के लिए आपातकालीन कक्ष में भर्ती हो गईं। जिला चिकित्सालय में सर्पदंश पीड़ितों की जानकारी लेते पहुंचे सर्प प्रहरी एवं सामाजिक कार्यकर्ता शशिधर अगवाल को जब महिला के अकेले भर्ती होने की जानकारी मिली तो उन्होंने सरस्वती से मुलाकात कर उनकी स्थिति और परिजनों के संबंध में जानकारी ली। बातचीत के दौरान महिला ने अपने कुछ परिजनों के बारे में जानकारी दी। इसके बाद शशिधर अगवाल ने अमरकंटक क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता विकास चंदेल से संपर्क किया और उन्हें ग्राम दोनिया पहुंचकर महिला के परिजनों को सूचना देने के लिए कहा। साथ ही शान्तिनगर अनूपपुर तथा जैतहरी क्षेत्र के लपटा गांव में रहने वाले महिला के परिजनों के मोबाइल नंबर जुटाकर उन्हें भी सूचना दी गई।

रेलवे प्लाईओवर ब्रिज के निर्माण में तेजी लाएं- कलेक्टर रत्नाकर झा

अनूपपुर। जिला मुख्यालय में निर्माणाधीन रेलवे प्लाईओवर ब्रिज के निर्माण कार्य को गति देने के लिए कलेक्टर रत्नाकर झा ने बुधवार को मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति, गुणवत्ता और मौके पर चल रहे विभिन्न कार्यों का जांचाया लिया। इस दौरान संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों से पूर्ण एवं लंबित कार्यों की जानकारी ली। कलेक्टर ने निर्माण में उपकरणों की जा रही सामग्री की गुणवत्ता तथा निर्धारित तकनीकी मापदंडों के पालन की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रेलवे प्लाईओवर ब्रिज नागरिकों के सुगम आवागमन से जुड़ी महत्वपूर्ण परियोजना है। इसलिए निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता किए बिना अपेक्षित गति सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के बाद कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट कार्यालय के नजदीक समागम से संबंधित विभागों के अधिकारियों और निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों की बैठक लेकर प्लाईओवर ब्रिज के निर्माण कार्य की विस्तृत समीक्षा की। रेलवे विभाग के अधिकारियों ने बताया कि उनके स्तर से किए जाने वाले कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं। इस पर कलेक्टर ने शेष कार्यों के लिए कार्ययोजना तैयार कर मजदूरों को मोबिलाइज करने तथा निर्माण एजेंसी एवं संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

कुएं में गिरा 18 वर्षीय युवक, गंभीर हालत में जिला चिकित्सालय में भर्ती



जागेश्वर सिंह बुधवार दोपहर अपनी पत्नी और 18 वर्षीय पुत्र उत्तम सिंह के साथ गांव से बाहर बनाए गए घर के समीप खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान उत्तम सिंह अचानक खेत में स्थित कुएं में गिर गया। कुएं में युवक के गिरने की आवाज सुनकर उसकी मां ने शोर मचाया। आवाज सुनकर पिता, परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तथा काफी प्रयास के बाद उत्तम सिंह को कुएं से बाहर निकाला। इसके बाद उसे मोटरसाइकिल से जिला चिकित्सालय अनूपपुर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक जांच के बाद उसे उपचार के लिए भर्ती कर लिया। बताया गया है कि दोपहर बाद तक युवक की हालत गंभीर बनी हुई थी। चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार जारी है। घटना के बाद परिवार में चिंता का माहौल है।

अनूपपुर जिले के स्कूल-आंगनबाड़ियों में ‘एक ही भोजन’ का खेल धड़ल्ले से जारी

नौनिहालों की थाली में पोषण की जगह महज खानापूर्ति

कलेक्टर रत्नाकर झा से बच्चों के परिजनों को है कार्यवाही की आस

अनूपपुर जिले के आदिवासी और ग्रामीण अंचलों में नौनिहालों के लिए संचालित मध्यान्ह भोजन और आंगनबाड़ी पोषण व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। शासन ने बच्चों को विविध, संतुलित और पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध कराने के लिए बाकायदा मेन्यू और पोषण मानक तय किए हैं, लेकिन जमीनी तस्वीर इन दावों से उलट दिखाई दे रही है। कई स्कूलों में रोजाना एक ही तरह का भोजन परोसा जा रहा है, वहीं जिले भर के समस्त आंगनबाड़ियों में कई महीनों से पोषण आहार नहीं मिलने से बच्चे दाल-चावल पर ही

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। बच्चों की थाली सिर्फ पेट भरने का जरिया नहीं, बल्कि उनके शारीरिक और मानसिक विकास की बुनियाद है। इसी उद्देश्य से शासन द्वारा स्कूलों और आंगनबाड़ियों में बच्चों को पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध कराने की योजनाएं संचालित की जा रही हैं। स्कूलों में मध्यान्ह भोजन के लिए निर्धारित मेन्यू और पोषण मानक हैं, जबकि आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को उनकी उम्र और जरूरत के अनुरूप पूरक पोषण आहार उपलब्ध कराया जाना है। लेकिन अनूपपुर जिले के आदिवासी एवं ग्रामीण अंचलों से सामने आ रही शिकायतें इन व्यवस्थाओं की जमीनी हकीकत पर सवाल खड़े कर रही हैं। आरोप है कि जिलेभर की कई प्राथमिक विद्यालयों में निर्धारित मेन्यू की विविधता गायब है और बच्चों को बार-बार एक ही तरह का भोजन रोजाना दिया जा रहा है। दूसरी ओर, जिलेभर के आंगनबाड़ी केंद्रों में कई महीनों से बच्चों को मिलने वाला पोषण आहार ही नहीं पहुंच रहा है। नतीजा यह है कि जिन नौनिहालों को विविध पोषण मिलना चाहिए, वे रोजाना दाल-चावल खाने को मजबूर हैं।

मेन्यू कागज पर, थाली में रोज वही दाल-चावल

शासन की मंशा बच्चों को सिर्फ खाना उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि ऐसा संतुलित भोजन देना है



जिसमें अनाज के साथ दाल, सब्जों, तेल और अन्य आवश्यक पोषक तत्व शामिल हों। अलग-अलग दिनों में भोजन में विविधता रखने का उद्देश्य यही है कि बच्चों को एक ही खाद्य पदार्थ पर निर्भर न रहना पड़े। लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों से मिल रही शिकायतों के अनुसार कई स्कूलों में मेन्यू सिर्फ कागजों तक सिमट गया है। बच्चों की थाली में रोजाना एक जैसे भोजन की स्थिति बनी हुई है। शवाल यह है कि यदि निर्धारित मेन्यू का पालन नहीं हो रहा तो निरीक्षण करने वाले जिम्मेदार अधिकारी आखिर क्या देख रहे हैं?

आंगनबाड़ी में महीनों से पोषण आहार गायब



सबसे गंभीर स्थितियाँ आंगनबाड़ी केंद्रों को लेकर सामने आई हैं। ग्रामीणों और स्थानीय स्तर से मिली शिकायतों के अनुसार कई महीनों से कई आंगनबाड़ियों में बच्चों को मिलने वाला निर्धारित पोषण आहार उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। जिन छोटे बच्चों को उनकी उम्र के अनुरूप अतिरिक्त पोषण की जरूरत होती है, उन्हें पोषण आहार के बजाय रोजाना दाल-चावल दिए जाने की शिकायत सामने आई है। सवाल सीधा है कि जब बच्चों के लिए अलग से पोषण आहार की व्यवस्था की गई है, तो वह महीनों तक गायब कैसे हो सकता है? यदि आपूर्ति में समस्या है तो जिम्मेदार विभाग ने अब तक इसका समाधान क्यों नहीं किया है?

बच्चों की सेहत से खिलवाड़ का

आरोप, कुपोषण के खिलाफ योजना कमजोर

सरकार की पोषण योजनाओं का मूल उद्देश्य बच्चों में कुपोषण को कम करना, उनकी शारीरिक वृद्धि को बेहतर बनाना और उन्हें स्वस्थ वा ता व र ण उपलब्ध कराना है। खासकर आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों के लिए ऐसी योजनाओं की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। लेकिन यदि निर्धारित पोषण आहार उपलब्ध नहीं हो रहा और स्कूलों में भी भोजन की विविधता खत्म होकर रोजाना एक ही भोजन तक सीमित हो रही है, तो यह व्यवस्था के उद्देश्य पर ही सवाल है। बच्चों का पेट भरना और बच्चों को पोषण देना यह दोनों अलग-अलग बातें हैं। दाल-चावल से पेट भले भर जाए, लेकिन लगातार एक जैसा भोजन शासन द्वारा निर्धारित संतुलित पोषण का विकल्प नहीं हो सकता है।

स्व-सहायता समूहों पर जिम्मेदारी, शिकायतों के बाद भी कार्रवाई क्यों नहीं?

स्कूलों में भोजन व्यवस्था के लिए जिम्मेदारी सौंपे गए स्व-सहायता समूहों को लेकर भी शिकायतें

सामने आई हैं। ग्रामीणों और बाबो के परिजनों का आरोप है कि भोजन की गुणवत्ता, मेन्यू और नियमितता को लेकर संबंधित अधिकारियों को कई बार जानकारी विद्यालय आंगनबाड़ी प्रमुख द्वारा दी जाती है। कई शाला प्रमुखों और आंगनबाड़ी से जुड़े जिम्मेदारों ने भी अपने उच्च अधिकारियों को वास्तविक स्थिति से अवगत कराया है। इसके बावजूद यदि महीनों से स्थिति जस की तस है तो सवाल विभागीय निगरानी व्यवस्था पर उठना स्वाभाविक है। शिकायतें फाइलों में दबाकर बैठ जाने से बच्चों की थाली नहीं सुधरेगी। जिम्मेदार अधिकारियों को जमीन पर उतरकर स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण करना होगा।

कागजों से बाहर निकले व्यवस्था, बच्चों की थाली तक पहुंचे पोषण

अनूपपुर के आदिवासी और ग्रामीण अंचलों में संचालित स्कूलों और आंगनबाड़ियों की वास्तविक स्थिति की जांच अब जरूरी हो गई है। कितने केंद्रों में निर्धारित मेन्यू का पालन हो रहा है, कितने केंद्रों में पोषण आहार की नियमित आपूर्ति हो रही है, किन स्व-सहायता समूहों को भोजन की जिम्मेदारी दी गई है और शिकायतों पर अब तक क्या कार्यवाही हुई है इन सभी बिंदुओं की निष्पक्ष जांच होनी अति आवश्यक हो गया है। बच्चों के नाम पर चल रही पोषण व्यवस्था यदि कागजों में दुरुस्त और जमीन पर बदहाल है, तो यह सिर्फ प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ी के स्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर सवाल है। अब जरूरत है कि जिम्मेदार अधिकारी रिपोर्टों से बाहर निकलकर स्कूलों और आंगनबाड़ियों की थाली में झाँके और देखें कि शासन का पोषण वास्तव में बच्चों तक पहुंच भी रहा है या नहीं।

उच्च न्यायालय की सख्ती के बाद 14 कक्ष वाले जिला न्यायालय भवन का रास्ता साफ

23 साल से अटका था भवन निर्माण, 44.85 करोड़ रुपए की लागत को वित्तीय समिति की अनुमंशा

अनूपपुर। 23 वर्षों से जिला न्यायालय भवन की प्रतीक्षा कर रहे अनूपपुर के लिए अब उम्मीद जगी है। हाईकोर्ट की सख्ती के बाद शासन स्तर पर जिला न्यायालय भवन के निर्माण की प्रक्रिया में तेजी आई है। 10 अगस्त को हुई स्थायी वित्तीय समिति की बैठक में नवीन जिला न्यायालय भवन के निर्माण प्रस्ताव का विस्तृत परीक्षण किया गया। समिति ने 44 करोड़ 85 लाख रुपए की कुल लागत से भवन निर्माण को आगे बढ़ाने की अनुमंशा की है। वर्ष 2003 में जिला बनने के बाद से ही अनूपपुर में पूर्ण सुविधायुक्त जिला न्यायालय भवन की मांग उठती रही है। भवन निर्माण का मामला लंबे समय से लंबित रहने के बाद हाईकोर्ट ने भी मामले को गंभीरता से लिया। न्यायालय की सख्ती के बाद अब शासन ने वित्तीय स्वीकृति की दिशा में कदम बढ़ाया है। ज्ञात हो कि विगत दिनों अधिवक्ता दीपक पांडे व वासुदेव चटर्जी के द्वारा उच्च न्यायालय में इस संबंध में याचिका दायर की गई थी जिसमें माननीय उच्च न्यायालय की डबल बेंच में 3 अगस्त को राज्य सरकार के वित्त विभाग ला डिपार्मेंट के प्रमुख सचिव की 3 अगस्त को व्यक्तिगत रूप से न्यायालय में उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था। उच्चतम न्यायालय के शक्ति के बाद राज्य शासन की समिति ने बैठक कर निर्णय लिया।

केंद्र से 15.52 करोड़, राज्य योजना से 29.32 करोड़

स्थायी वित्तीय समिति ने प्रस्ताव का परीक्षण करने



के बाद केंद्र प्रवर्तित योजना 'न्यायालय भवनों का निर्माण' के तहत 15 करोड़ 52 लाख 92 हजार 326 रुपए स्वीकृत किए जाने की अनुमंशा की है। वहीं शेष 29 करोड़ 32 लाख 7 हजार 674 रुपए राज्य योजना से स्वीकृत किए जाने की सिफारिश की गई है। प्रस्तावित भवन में 14 न्यायालय कक्ष, दो अधिवक्ता हॉल, एक डिजिटल कंप्यूटर रूम और आठ टॉयलेट कॉम्प्लेक्स समेत आधुनिक न्यायिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

पार्किंग, रिकॉर्ड रूम से लेकर मेडिएशन सेंटर तक

प्रस्तावित भवन के बेसमेंट में जजों, अधिवक्ताओं और पुलिस वाहनों के लिए पार्किंग के अलावा पोस्ट ऑफिस, फोटोकॉपी रूम, मेडिकल रूम, स्ट्रांग रूम, नाजिर रूम, ड्राइवर रूम, सिस्क्वीरिटी रूम, फाइलिंग कार्डेंटर, कॉपींग सेक्शन, वित्नेस रूम और गार्ड रूम प्रस्तावित हैं। प्रथम तल पर कंसल्टेशन रूम, क्रेच रूम, जेपी, एजेपी, डीपीओ और एडीपीओ के कक्ष, फर्नीचर-स्टोर व सर्विस रूम होंगे। द्वितीय तल पर पिटीशन राइटर रूम, वार्ड टाइपिस्ट रूम, डिस्ट्रेस रूम, रिकॉर्ड रूम, जिला विधिक सहायता अधिकारी कक्ष, रजिस्ट्रार रूम और मेडिएशन रूम प्रस्तावित हैं। तृतीय तल पर मस्ट्रीपरपज हॉल,

जजसे लाइब्रेरी तथा जिला लोक अभियोजन कार्यालय के लिए स्थान रखा गया है।

बाहरी विकास कार्य भी प्रस्ताव में

भवन निर्माण के साथ बाउंड्रीवाल, कैन्पस रोड, रैन वाटर हार्बेस्टिंग, एसटीपी, स्ट्रीट लाइट, डीजी सेट, बाढ़ा विद्युतीकरण, वाटर सप्लाई और फायर फाइटिंग सिस्टम जैसे बाहरी विकास कार्य भी किए जाएंगे। निजी भूमि अधिग्रहण के लिए 1 करोड़ 20 लाख 23 हजार 550 रुपए का प्रावधान किया गया है। अतिरिक्त कार्यों एवं भूमि अधिग्रहण सहित करीब 30 करोड़ 34 लाख 79 हजार 710 रुपए राज्य योजना क्रमांक 2450 से व्यय किए जाने का प्रस्ताव है।

23 साल बाद पूरी होने की उम्मीद

अनूपपुर जिला बनने के बाद से न्यायालय भवन का मुद्दा लगातार लंबित रहा। अधिवक्ताओं और जनप्रतिनिधियों ने कई बार शासन और प्रशासन के समक्ष इस समस्या को उठाया। मामला हाईकोर्ट तक पहुंचने के बाद न्यायालय की सख्ती ने शासन को इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाने के लिए मजबूर किया। अब स्थायी वित्तीय समिति की अनुमंशा के बाद वर्षों से अटकी प्रक्रिया आगे बढ़ने की उम्मीद है। आगामी स्वीकृतियाँ मिलने के बाद अनूपपुर को आधुनिक सुविधाओं से युक्त नया जिला न्यायालय भवन मिलने का रास्ता खुल सकता है। बैठक में विधि एवं विधायी कार्य विभाग, वित्त विभाग, मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। समिति ने प्रस्ताव को आगे की स्वीकृति प्रक्रिया के लिए अनुशंसित कर दिया है।

जैतहरी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, तीन जगह दबिश देकर 14.888 किलो गांजा जब्त

जैतहरी। थाना जैतहरी एवं पुलिस सहायता केंद्र वेंकटनगर की पुलिस टीम ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ही दिन में तीन अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 14.888 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 7.27 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार 11 अगस्त को मुखबिर से सूचना मिली थी कि उड़ीसा राज्य से गांजा तस्कर मादक पदार्थ लेकर जैतहरी थाना क्षेत्र के वेंकटनगर एवं आसपास के इलाकों में बिक्री करने के उद्देश्य से पहुंचने वाले हैं। सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के निर्देश पर गांजा तस्करो की धरपकड़ और मादक पदार्थ की बरामदगी के लिए थाना जैतहरी एवं पुलिस सहायता केंद्र वेंकटनगर से तीन अलग-अलग टीमें गठित की गईं। पुलिस टीमों ने योजनाबद्ध तरीके से तीन स्थानों पर घेराबंदी कर कार्रवाई की। पहली कार्रवाई ग्राम मुण्डा गढ़ियाटोला स्थित कचरा घर एवं गढ़ियाटोला जाने वाले रास्ते के किनारे, दूसरी आमाडांड निराहा यात्री प्रतीक्षालय, ग्राम आमाडांड तथा तीसरी मुण्डा जरोधा टोला मेन रोड किनारे बने यात्री प्रतीक्षालय पर की गई। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने उड़ीसा निवासी तीन आरोपियों



को गिरफ्तार किया। केवल मुना, पिता सिधेश्वर मुना, उम्र 45 वर्ष, निवासी ग्राम सिलेटपारा, थाना घंटापारा, जिला बौध (उड़ीसा) के कब्जे से 5.430 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 2.50 लाख रुपये बताई गई है। रसीका दीप, पिता हरि दीप, उम्र 30 वर्ष, निवासी ग्राम गिरांपारा, थाना घंटापारा, जिला बौध (उड़ीसा) के कब्जे से 6 किलो 543 ग्राम गांजा बरामद हुआ। इसकी अनुमानित कीमत 3 लाख 27 हजार 150 रुपये बताई गई है। वहीं बिभार, पिता टीकेधर बिभार, उम्र 43 वर्ष, निवासी ग्राम रेघामुण्डा, थाना घंटापारा,

जिला बौध (उड़ीसा) के कब्जे से पैकेट सहित 2.915 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 1.50 लाख रुपये बताई गई है। इस तरह तीनों आरोपियों से कुल 14.888 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपियों का कृत्य धारा 8/20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत दंडनीय पाए जाने पर तीनों को गिरफ्तार कर थाना जैतहरी में पृथक-पृथक अपराध दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने सभी प्रकरणों को विवेचना में लिया है और गांजा तस्करी से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।